डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 43 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 22 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

मौसम परिवर्तन : सर्दी-खांसी के साथ गला जकड़ रहा वायरल

बड़ो में भी मिल रहे डेंगू जैसे लक्षण, शहर का हर चौथा व्यक्ति बीमार

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। त्यौहार और फिर विधानसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद अस्पताल का हाल बदल गया है। सरकारी के साथ निजी अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या बढ़ गई है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक बीमारियों की चपेट में दिख रहे है। सबसे ज्यादा सीजनल बीमारी और वायरल संक्रमण के मरीज है। छोटे बच्चों में गले का दर्द, सर्दी, खांसी जैसी समस्या ज्यादा सामने आ रही है।

सीजनल बीमारियों के साथ ही मच्छरों का डंक भी परेशान कर रहा है। चिकित्सकों की माने तो डेंगू के ट्रेंड को देखा जाए तो दीपावली के बाद केस कम होने लगते हैं। तेज ठंड होने के कारण लार्वा पनपने में परेशानी होती है। लेकिन, इन दिनो वयस्को में भी डेंगू से मिलते जुलते लक्षण दिखाई दे रहे है। सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ है। अलग-अलग बीमारियों के मरीजों की कतारें लगी हैं। चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. देवेंद्र नारगावे ने बताया कि मौसम में बदलाव के साथ विशेषकर छोटे बच्चों का ज्यादा ध्यान रखना होता है। अभी ऐसे ही मामले सामने आ रहे है। ज्यादातर बच्चों में सर्दी-खांसी के साथ ही गले में दर्द की समस्या हो रही है, जो कि वायरल संक्रमण के कारण है। डेंगू से मिलते-जुलते लक्षण भी देखने को मिल रहे हैं।

तेलंगाना की अंबर पेठ विधानसभा में मोर्चा संभालेंगे गुर्जर

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और हुडको के डायरेक्टर श्री बंशीलाल गुर्जर को भाजपा संगठन ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव में अंबर पेठ विधानसभा की जिम्मेदारी सौंपी है। इस क्षेत्र के लिए यश का विषय है कि स्थानीय भाजपा नेता श्री गुर्जर को प्रदेश विधानसभा चुनाव में गरोठ भानपुरा की जिम्मेदारी सौंपी गई थी और अब दक्षिण भारत के तेलंगाना प्रदेश की विधानसभा अंबर पेठ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री गुर्जर अंबर पेठ पहुंचकर अपना दायित्व शुरू कर चुके हैं। इसके पहले भी हरियाणा में झज्जर तथा असम की विधानसभा मे भी संगठन द्वारा दिया गया विधान सभा चुनावों में दायित्व बखूभी निभा चुके हैं।

कांग्रेस का खौफजदा लेटर

तख्त पलटा तो कई का जिले के बाहर जाना तय

तनाव में है आरोपों के घेरे में रहने वाले अधिकारी-कर्मचारी

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कई अधिकारियों-कर्मचारियों को शिवना का पानी इतना रास आ रहा है कि सालों से स्थानांतरण का नाम तक नहीं ले रहे। स्थिति यह है कि प्रमोशन लेकर वापिस मंदसौर आ जाते हैं। इन पर सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों की मेहरबानी भी मानी जाती है। इसके अलावा महत्वपूर्ण बात यह है कि कुछ अधिकारी-कर्मचारी तो कई सालों से चुनाव कार्यो में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हुए चुनाव संपन्न करा रहे हैं। वहीं डॉ जेके जैन जैसे अधिकारियों पर तो भाजपा के लिए चुनाव में काम करने के आरोप भी लग चुका है। निर्वाचन विभाग को इसकी बकायदा लिखित में शिकायतें भी पहुंची। हालांकि कोई कार्रवाई नहीं हुई। लेकिन अब प्रदेश कांग्रेस के लैटर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को तनाव में ला दिया है। पत्र में विधानसभा कांग्रेस के उम्मीद्वारों से अधिकारियों कर्मचारियों की सूची मांगी गई है। जिन्होंने भाजपा के लिए काम किया है। ऐसे में अगर सत्ता परिवर्तन होता है तो जिले में भी कई अधिकारियों और कर्मचारियों की रवानगी तय है। यहां रवानगी ही नहीं, बल्कि कई मामलों में दबी हुई फाईलों को भी खोदकर निकाला जा सकता है। ऐसे में एक तनाव वाला मैटर लंबे समय से जिले में जमे अधिकारी-कर्मचारियों के लिए भी हो गया है।

यह है कांग्रेस का पत्र...

कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीवसिंह की तरफ से सभी कांग्रेस प्रत्याशियों को पत्र लिखा गया है। जिसमें कहा गया है कि कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा नियम विरुद्ध भाजपा को लाभ पहुंचाने संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई है। आपके विस क्षेत्र में भी अगर ऐसे अधिकारी कर्मचारी है तो उनके नाम, पद और स्थल सहित पूरी जानकारी उपलब्ध कराए। मतलब साफ है कि 03 दिसंबर को अगर हवा बदलती है तो कहीं न कहीं अधिकारी-कर्मचारियो का इधर से उधर होना तय है।

कहीं न कहीं जनप्रतिनिधियों का आशीर्वाद...

पुलिस हो या राजस्व या आबकारी विभाग या लोक निर्माण विभाग ऐसे कई विभाग है। जहां कोई न कोई अधिकारी या कर्मचारी लंबे समय से जमा हुआ है। सबसे बेहतरीन उदाहरण लोनिवि के कार्यपालन यंत्री आदित्य सोनी का है। लंबे समय के बाद उनका स्थानांतरण मंदसौर से हुआ और फिर प्रमोशन लेकर साहेब यहां आ गए। ऐसे कई चेहरे पुलिस विभाग में भी है। कई आरक्षक तो यहां टीआई तक बनकर अपनी पचहत्तर प्रतिशत नौकरी पूरी कर कुछ दिन पहले रवाना हुए। कई थानों पर अंगद के पैर की तरह जमे हुए है। इन पर कहीं न कहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कृपा बनी हुई है। जबकि, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी तो लगातार आरोपो के घेरे में रहे हैं। इसके बाद भी कोई जांच नहीं हुई और हुई तो औपचारिकता निभाई गई।

रतलाम-मंदसौर-नीमच...

जिले से स्थानातंरण होने के बाद अधिकारियों का अधिक से अधिक स्थानातंरण रतलाम या नीमच हो जाता है। वे वहां कुछ समय काम कर फिर से जिले में स्थानातंरण करवा लेते है। ऐसे एक या दो अधिकारी नहीं है। कई अधिकारी है। जिनकी नौकरी ज्यादातर इन तीनों जिले में ही हो चुकी है। इसके अलावा उज्जैन या फिर देवास, आगर जिले में भी कई अधिकारी नौकरी कर फिर से जिले में नौकरी कर चुके है।

रजिस्ट्री के लिए गवाहों की जरूरत खत्म होगी

नए साफ्टवेयर में जांच एजेंसियो के लिए होगी सेपरेट लिंक, जिससे उन्हें सुविधा मिलेगी

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के बाद सरकार किसी भी दल की बने। जनता को पहला तोहफा प्रॉपर्टी की आसान रजिस्ट्री होगी। इसकी तैयारी अंतिम चरण में है। नए नियमों के तहत प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने के लिए अब पंजीयन दफ्तरों में गवाहों की जरूरत खत्म हो जाएगी। जीआइएस की मदद से मोबाइल पर ही प्रॉपर्टी की कलेक्टर गाइडलाइन की दर देखी जा सकेगी। इसमें पहले के मुकाबले रजिस्ट्री आसान हो जाएगी। इसके साथ ही सर्च, ई रजिस्ट्रेशन, सर्च एंड सर्टिफाइड कॉपी आसान हो जाएगी। रजिस्ट्री देखी जा सकेगी। ईओडब्ल्यू, आयकर, लोकायुक्त जैसी जांच एजेंसियो को अलग से सेपरेट लिंक मिलेगा। ताकि ये खुद किसी भी संपत्ति की जांच कर सकें।

प्रदेश में रजिस्ट्री को और सरल बनाने के लिए महानिरीक्षक पंजीयन कार्यालय ने प्रदेश के 12 वरिष्ठ जिला पंजीयकों, जिला पंजीयकों की एक समिति गठित की है। समिति 23 नवंबर तक रिपोर्ट देगी। जिसे यूएटी यूजर एक्सेप्टेंस टेस्टिंग नाम दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर किस सेगमेंट में कहां और क्या सुधार की गुंजाइश है, उसे पूरा करने के बाद रतलाम, डिंडोरी, हरदा, गुना और आगर मालवा के पंजीयन कार्यालयों से जमीनी स्तर पर संपदा टू पर रजिस्ट्री करना शुरू किया जाएगा। जनवरी 2024 से इसके पूरे प्रदेश में शुरू होने की संभावना है।

पंजीयन विभाग के अफसरों ने संपदा टू को 12 मॉड्यूल में बांटा है। समिति के अंडर में कई उप जिला पंजीयक भी इन सेगमेंट का अलग-अलग परीक्षण कर रहे हैं। विभाग की तकनीकी टीम के साथ एमपीएसईडीसी की टीम भी है। जो एक-एक सेगमेंट का बारीकी से परीक्षण कर रही है। इसमें यूजर रजिस्ट्रेशन एंड रोल मैनेजमेंट, सर्विस प्रोवाइडर मैनेजमेंट, प्रॉपर्टी आइडेंटीफिकेशन एंड वैल्युएशन, जीआईएस इनेवल गाइडलाइन, पेमेंट, ड्यूटी कैल्कुलेशन, ई स्टांपिंग, ई रजिस्ट्रेशन, सर्च एंड सर्टिफाइड कॉपी, एमआइएस रिपोर्ट, सीएमएस और मोबाइल एप शामिल है।

आमजन को यह होगा फायदा...

प्रॉपर्टी को बैंक में बंधक बनाने बार-बार बैंक के चक्कर लगाने का काम खत्म। रजिस्ट्री के दौरान प्रॉपर्टी की आईडी अनिवार्य होगी। इससे स्टांप की हेराफेरी और फर्जीवाडा रुकेगा। एक क्लिक पर रजिस्ट्री की जानकारी मिल जाएगी। इससे बेनामी संपत्ति पर शिकंजा कसा जा सकेगा। रजिस्ट्री के बाद नगर निगम में मैसेज जाएगा, जिससे नामांतरण की प्रक्रिया भी आसानी से होगी। शुल्क की गणना भी हो जाएगी। चार विभागों के अफसरों को रजिस्ट्रार के अधिकार मिलेंगे। इसमें हाउसिंग बोर्ड, उद्योग विभाग, मप्र स्टेट इलेक्ट्रोनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग शामिल हैं। सर्च, ई रजिस्ट्रेशन, सर्च एंड सर्टिफाइड कॉपी आसान हो जाएगी। रजिस्ट्री देखी जा सकेगी। ईओडब्ल्यू, आयकर, लोकायुक्त को अलग से सेपरेट लिंक मिलेगा। ताकि ये खुद किसी भी संपत्ति की जांच कर सकें।

पशुपतिनाथ मेले को निर्वाचन आयोग की हां का इंतजार, कल होगा पाटोत्सव

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के पाटोत्सव मेले को अभी भी चुनाव आयोग से अनुमति का इंतजार है। जबकि, मेला प्रारंभ होने में अब सिर्फ एक ही दिन का समय बचा है। वैसे बताया जा रहा है की देवउठनी एकादशी के दिन पाटोत्सव मनाया जाता है और इसी दिन से मेला प्रारंभ होता है। ऐसे में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया मंगलवार को मेला प्रांगण पहुंचे। उन्होंने नगर पालिका अमले के साथ तैयारियों का जायजा लिया। उम्मीद की जा रही है कि आज बुधवार को चुनाव आयोग से मेला प्रारंभ किए जाने को लेकर अनुमति आ सकती है।

अनुमति को लेकर विधायकयशपाल सिंह सिसोदिया ने भी कलेक्टर दिलीप कुमार यादव से आग्रह किया है। उन्होंने राज्य निर्वाचन आयुक्त अनुपम राजन से भी दुरभाष पर चर्चा की थी। कलेक्टर यादव ने भी राज्य निर्वाचन आयुक्त को अनुमति के लिए पत्र लिखा और नगरीय प्रशासन विभाग के माध्यम से भी अनुमति के प्रयास किए है। इधर भगवान पशुपतिनाथ मेला प्रारंभ होने का इंतजार व्यापारियों के साथ ही आम जनता को भी है। प्रतिवर्ष भगवान पशुपतिनाथ का 20 दिवसीय मेला लगता है। लेकिन, इस बार

चुनाव के कारण निर्वाचन आयोग से मेला प्रारंभ किए जाने की अनुमति लेनी होती है। किंतु बताया जा रहा है कि नगर पालिका ने अनुमति की प्रक्रिया को करने में विलंब कर दिया। जिसके चलते अभी तक मेला प्रारंभ किए जाने की अनुमति नहीं मिली है। जबकि, उज्जैन के कार्तिक मेले को चुनाव आयोग से अनुमति मिल चूकी है। अन्य जगहों पर भी मेले को अनुमति मिल चूकी है। लेकिन, मंदसौर के भगवान पशुपतिनाथ मेले को अब तक अनुमति नहीं मिल पाई है। ऐसे में मतदान होने के बाद कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने इस पर संज्ञान लिया और अनुमति के लिए निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा। उन्होंने नगरीय प्रशासन विभाग को भी पत्र लिखा। जिसके बाद नगरीय प्रशासन विभाग ने भी अनुमति के लिए निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है। इधर मंगलवार को कलेक्टर दिलीप कुमार यादव और पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने मेला प्रागंण पहुंचकर नपा को तैयारियां प्रारंभ करने के निर्देश दिए। मेले को लेकर नगर पालिका द्वारा बनाऐ गए प्लान को भी देखा और उसमें सुधार के निर्देश दिए। इस दौरान सुरक्षा इंतजामों की स्थिति को भी देखा। कयास लगाए जा रहे है कि चुनाव आयोग से मेले की अनुमति मिल जाएगी और मेला प्रारंभ हो जाएगा।

जोधा पिपलिया में बदमाशों ने सूने घर का ताला चटकाया, हजारों की चोरी

नारायणगढ़, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। थाना क्षेत्र के ग्राम पिपलिया जोधा में बदमाशो ने एक घर का ताला चटकाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जिसके बाद ग्रामीणो में आक्रोश है। ग्रामीण ने थाने पर आवेदन दिया है। इस दौरान बदमाश हजारो रूपए नगदी व जेवरात ले जाने में सफल रहे।

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार- मंगलवार की दरमियानी रात पिपल्या जोधा गांव में चोरो ने करीब एक दर्जन घरों के ताले तोड़कर चोरिया की। दशरथ पिता मांगीलाल डांगी के मकान का ताला तोड़कर बदमाश नगदी रुपये और सोने चाँदी के जेवर ले गए। दशरथ डांगी ने बताया की गांव मे मेरे दो मकान है। रात्रि मे मैरे अन्य मकान पर जहां मेरी माता जी रहती है। वह रिश्तेदारी में गई थी तो में वहां सोने के लिए चला गया। मेरे घर पर लाइट चालू रखी थी लेकिन जब सुबह के 4 बजे नींद खुली तो देखा की मेरे मकान की लाईट बंद है। जब मे मेरे मकान पर पहुंचा तो देखा की दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और मकान के अंदर जाकर देखा तो घर के अंदर रखी अलमारी का ताला खुला हुआ था। बदमाश अलमारी का ताला खोलकर उसमे रखे 5-7 हजार रुपये, 2 ग्राम सोने के टॉप्स व 50 ग्राम वजन के चाँदी के पायजेब चोर चुराकर ले गए। चोरों को गाँव मे लगे सीसी टीवी केमरे में देखा गया है। जिसकी रिपोर्ट नारायणगढ थाने पर की गई है। पुलिस ने मौके पर पहुचकर जांच शुरू की।

डेढ़ लाख की लहसून चोरी

नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच के बघाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली कृषि उपज मंडी में सोमवार मंगलवार की दरमियानी रात में मंडी स्थित गायत्री ट्रेडिंग कंपनी के गोदाम में रखी लहसुन पर चोरों ने हाथ साफ कर लिया। चोरों ने यहां से करीब डेढ लाख रुपए कीमत की 13 प्लास्टिक के कट्टे में रखी लहसुन को चुरा लिया।

गायत्री ट्रेडिंग कंपनी के संचालक के अनुसार चोरों ने सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात में चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोर छत के उपर से रस्सी की मदद से अंदर घुसे, घटना की जानकारी सुबह लगी जिस पर पुलिस को सूचित किया गया। साथ ही पुलिस ने भी मंडी परिसर में लगे कैमरो को खंगाला मगर चोरों का कोई सुराग मिला। बघाना थाना पुलिस ने पीडित व्यवसायी की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

घर का ताला तोड़ ले उड़े सोने-चांदी के जेवर

पिपलियामंडी, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्कूल गए शिक्षक के घर का ताला तोडकर चोर सोन-चांदी के जेवर चोरी कर ले गए। नारायणगढ निवासी अतिथि शिक्षक कमलेश पाटीदार ने नारायणगढ पुलिस थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि घर पर ताला लगाकर झारडा स्कूल पढाने गया था। इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोडकर सेफ में रखे सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। घर पर आया तब घटना का पता चला। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

* जाहिर सूचना *

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना द्वारा यह सूचित किया जाता है कि ग्राम टिगरिया जिला मंदसौर स्थित भूमि सर्वे नंबर 78/4 में रकबा 53 आरी जो कि उक्त भूमि सर्वे नंबर धोखे में रखकर नरेन्द्र गर्ग पिता मोहनलाल गर्ग निवासी श्यामनगर राजेन्द्र रिसोर्ट के पास मंदसौर के द्वारा गाईड लाईन चैक देकर विक्रय पत्र करवा लिया है एवं बाकी राशि अदा नहीं की है। इस संबंध में मेरे द्वारा थाना मंदसौर एवं पुलिस अधीक्षक महोदय के यहां आवेदन प्रस्तुत किया है। इसलिए उक्त भूमि को कोई भी व्यक्ति नरेन्द्र गर्ग पिता मोहनलाल गर्ग से क्रय नहीं करें। यदि क्रय की जाती है तो उसे होने वाले समस्त प्रकार की हानि एवं परिणाम की जवाबदारी उसकी स्वयं की होगी। कब्जा वर्तमान में सूचनाकर्ता के पास ही है सो सूचित हो।

**** सूचनाकर्ता ****

किशनलाल पिता पूनमचंद्र माली

निवासी मंदसौर, जिला मंदसौर, मो.-9229621499

जब तक देश का आम मत बिकेगा तब तक तंत्र साधने वाले मर्यादा तोड़ते रहेंगे...

मंदसौर/उज्जैन, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पांच में से तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव का मतदान हो गया है। राजस्थान में 25 और तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान हो जाएगा। इसके साथ ही कुछ माह बाद लोकसभा चुनाव भी आ ही गए हैं। पर अब बडे स्तर पर दावेदारी, वादे, सपनों के साथ झूठ का आकार, चुनाव का खर्च भी सब महंगाई की तरह बढ़ा हुआ नजर आएगा। मंच से नेता अधिकारी और अब तो कथित संत भी आमजन को धोखा ही परोस कर ललचाते नजर आते हैं। कहने को इनका सांसारिक बातों से कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन, बहुत साफ तरीके से अपनी सुविधा के लिए और खुद को फायदा पहुंचाने वाले का पक्ष लेते हुए कुतर्क करते आमजन को बहकाते हैं। इस तरह के स्वभाविक दृश्य देश प्रदेश के चुनाव में अब एकदम आम हो गए हैं।

अपने बंधु-बांधव तो दूर प्रकृति परमेश्वर से भी इन्हें डर नहीं लगता है। जिस आमजन के सहारे ऐसे लोग तंत्र चलाने का अधिकार पाते हैं। उसके साथ बार-बार, लगातार विश्वास घात करते चले आ रहे हैं। लगातार सफल भी हो रहे हैं, होते भी रहेंगे। जब तक आम जनमत सस्ते में बिकते रहेंगे ! संसार भर में तकनीक विकास लगातार जारी है। देशवासियों के हाथों में भी ऐसे संसाधन उपलब्ध हैं की सभी चुने हुए देश धारकों की घोषणाऐं वादों का विश्लेषण कर सकतें है। कई बार तो पहले से ही स्पष्टउजागर सफेद झूठ को भी आमजन सर पर रखकर स्वीकारते हैं। जैसे हर व्यक्ति के खाते में 15 लख रुपए आएंगे, प्रदेश में शिवराज का दावा की कोई व्यक्ति बेघर बेछत नहीं रहेगा, शासकीय संकल्प था कहीं नजर नहीं आया। महिला गेस कनेक्शन धारकों को 450 रुपए में गेस की टंकी मिलेगी। प्रदेश भर में 20 लाख के लगभग महिलाओं के नाम कनेक्शन है। उनमें से भी अनेक महिलाओं की शिकायत है कि उनसे गेस टंकी के लिए पूरे 1150 रुपए लिए गए हैं।

चन्द्रमोहन भगत

इसके विपरीत सरकारों ने कई पैचीदा कानून को स्वीकृति दे दी है। जैसे अवैध कॉलोनी को वैध करने की घोषणा तो कर दी। पर, नल, बिजली और डेवलपमेंट के लिए विकास शुल्क 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। ऐसे में घोषणा तो लुभावनी थी पर अमल होने में क्लिष्टता का हिस्सा बहुत अधिक हो गया है। अब जनमानस को शिवराज की घोषणा छल नजर आ रही है। किसान वर्ग भी छोटी राहत के लिए अपना अमूल्य मत भेंट कर देते हैं। मिलता क्या है, रुपए दो रुपए 1 किलो पर ज्यादा, जबकि उद्योगपतियों के लाखों करोड़ों रुपए सरकार माफ कर देती है। मनमोहन सिंह की यूपीए सरकार ने 10 साल में 3 लाख 76 हजार 112 करोड रूपयों का कर्ज माफ किया था। जबकि नरेंद्र मोदी सरकार ने बीते 9 सालों में 24 लाख 95हजार 80 करोड रूपया सेठों का माफ किया है। इस तरह प्रतिवर्ष 2 लाख 77 हजार 231 करोड रुपए प्रतिवर्ष मोदी सरकार ने अभी तक माफ किया है।

अभी हाल ही में हमारे ही अमूल्य मतों से चुने गए सांसद जो केंद्रीय मंत्री हैं, नरेंद्र सिंह तोमर के 10 हजार करोड़ के भ्रष्टचार के वीडियो देश-विदेश में वायरल हो चले हैं। सोचिए हमारे एक मत से हम इन नेताओं को तंत्र के रूप में कितनी ताकत महज छोटी-छोटी सुविधा के बदले दे डालते हैं। और यही लोग तंत्र पाते ही आम जनमत को भूल कर अपने-अपने परिवार की पुश्तों के ऐशों आराम की व्यवस्था करने में लग जाते हैं। हर बार हर सरकार में ऐसे मामले उजागर होते रहे हैं। किन्तु हमारे मताधिकार से तंत्र पाल लेने वालों में कोई सुधार नहीं आया है, सिर्फ चेहरे और दल बदल जाते हैं। और यह भविष्य में भी तब तक होता रहेगा, जब तक की जनमत खुद अपने मतों का समूह बनकर या बनाकर सौदा करने की बजाय अपने विवेक से देश और देशवासियों का भला करने वाला प्रत्याशी नहीं चुनने लगेंगे। इतनी जागरुकता लाना ही पड़ेगी, वरना देश कब बिक जाएगा, कब हम फिर से काले अंग्रेजों के गुलाम हो जाएंगे। पता ही नहीं चलेगा..?

विचार-मंथन

मणिपुर में हिंसा की घटनाएं और शांति के प्रयास

मणिपुर में हिंसा की शुरुआत के करीब छह महीने बाद भी अगर राज्य सरकार वहां शांति कायम नहीं कर सकी है तो यह उसकी कार्यक्षमता पर ही सवाल है। मगर ज्यादा अफसोस की बात यह है कि हिंसा के शिकार लोगों को राहत मुहैया कराने के मामले में भी समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए गए और इसके लिए देश की दूसरी संस्थाओं को याद दिलाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर सरकार से राज्य में मई महीने में शुरू हुए जातीय संघर्षों में मारे गए सभी लोगों के परिजनों को दस-दस लाख रुपए मुआवजा देने को कहा है। आयोग ने यह आदेश भी दिया कि हिंसा में क्षतिग्रस्त घरों का मूल्यांकन किया जाए और छह सप्ताह के भीतर प्रत्येक पीड़ित को दस लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। यानी जो काम सरकार को अपनी ओर से करना चाहिए था, उसे लेकर भी वह सजग नहीं है। क्या सरकार के इसी उदासीन रवैये की वजह से राज्य में आज भी बिगड़े हालात पर काबू पाना मुश्किल नहीं बना हुआ है? सरकार के काम करने की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां दो समुदायों के बीच शुरू हुए टकराव को एक लंबा वक्त गुजर जाने के बावजूद हालात पर काबू पाने के लिए कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आ सका है। अब भी वहां हिंसा और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। इस पहलू पर मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर के कुछ हिस्सों में हिंसा जारी रहने पर चिंता जाहिर करते हुए राज्य सरकार से हालात सामान्य करने के लिए रूपरेखा तैयार करने को कहा है। यह सरकार के लिए शर्मिंदगी का विषय होना चाहिए कि वह राज्य में हिंसा की वजहें पहचान कर उसका हल निकालने के लिए जरूरी कदम उठाने में नाकाम रही, फिर बाद में जब कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा ने व्यापक शक्ल ले ली, तब भी उसे रोकने को लेकर कोई ऐसी पहल नहीं दिखी, जिसे दूरदर्शी कहा जा सके। नतीजा यह हुआ कि राज्य में पुलिस से लेकर सेना तक की तैनाती के बावजूद वहां हिंसा और अराजकता बनी हुई है। हालांकि मैतेई समुदाय को जनजाति श्रेणी में शामिल करने के मसले पर वहां विरोध का जो ज्वार उठा, उसमें यह साफ दिख रहा था कि यह कैसा रूप ले सकता है। मगर इतने संवेदनशील मुद्दे को भी सरकार ने शायद तात्कालिक प्रतिक्रिया मान लिया था। इसी उदासीनता का नतीजा था कि समूचे राज्य में अराजकता का माहौल बन गया और उसके बाद स्थिति पर नियंत्रण करना सरकार के लिए मुश्किल हो गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय और सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी शांति और निगरानी समितियां बना कर हल निकालने की कोशिश की गई, मगर उसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। जबकि इस मसले का अकेला समाधान कुकी और मैतेई समुदायों के बीच संवाद और उभरे सवालों पर सहमति कायम करना है। मगर हिंसा से प्रभावित इलाकों में न केवल कार्रवाई को लेकर शिथिलता बरती गई, बल्कि सरकार और पुलिस पर पक्षपात करने के भी आरोप लगे। मानवाधिकार आयोग को एक निश्चित तारीख तक एक सौ अस्सी लोगों के मारे जाने की सूचना दी गई थी, लेकिन ऐसे सिर्फ तिरानबे लोगों के परिजनों को ही दस लाख रुपए मुआवजा दिया गया। इससे सरकार की कार्यशैली और उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं कि क्या वह राज्य में हिंसा को पूरी तरह रोकने और पीड़ितों को राहत मुहैया कराने को लेकर गंभीर है।

विपक्षी गठजोड़ को कई चुनौतियों से पार पाना होगा

बलबीर पुंज

विपक्षी गठबंधन की हिंदू विरोधी मानसिकता भी सर्वविदित है। रामचरितमानस और बदरीनाथ के बाद आई.एन.डी.आई. गठबंधन और सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने दीपावली के अवसर पर करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर पुन- कुठाराघात करते हुए मां लक्ष्मी पर अपमानजनक टिप्पणी कर दी। इससे पहले इसी गठबंधन के एक मुख्य घटक द्रमुक ने सनातन धर्म को समाप्त करने का आह्वान किया था, जिसे कांग्रेस के कई नेताओं का समर्थन भी प्राप्त था। कई विरोधाभासों के बाद भी यह सभी विपक्षी दल एकजुट रहने का स्वांग क्यों कर रहे है? इसके दो कारण है। राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में विधानसभा चुनाव के परिणाम क्या होंगे? यह 3 दिसंबर की मतगणना के बाद स्पष्ट हो जाएगा। उस दिन यह भी पता चल जाएगा कि आई.एन.डी.आई. गठबंधन का भविष्य क्या हो सकता है? एक बात स्पष्ट है कि इस विपक्षी गठजोड़ को लोकसभा चुनाव से पहले कई चुनौतियों से पार पाना होगा। कुछ दिन पहले जो विपक्षी कुनबा आई.एन.डी.आई.ए. की पताका तले 'एकता' की बात करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देने रहे थे, उनका सिर-फुटव्वल वर्तमान विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर सड़क पर आ गया। मध्यप्रदेश विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी गठबंधन करना चाहती थी। इसपर कांग्रेस ने मुंह मोड़ लिया। तब सपा ने न केवल 70 से

अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए, अपितु पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने अपनी चुनावी सभाओं में अन्य विरोधियों की भांति कांग्रेस पर भी जमकर कटाक्ष करना शुरू कर दिया। मनमुटाव इतना बढ़ गया कि प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ ने पत्रकारों के अखिलेश संबंधित सवाल पर कह दिया, «अरे भाई छोड़ो, अखिलेश वखिलेश»। इससे पहले दिल्ली-पंजाब में 'आप'-कांग्रेस, तो प.बंगाल के वामपंथी, तृणमूल और कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग हो चुकी है। मध्यप्रदेश में सपा-कांग्रेस के टकराव का प्रभाव उत्तरप्रदेश में पड़ना स्वाभाविक है। अखिलेश यादव कह चुके है कि यदि प्रदेश में गठबंधन हुआ, तब भी उनकी पार्टी 80 में से 65 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, तो इसके जवाब में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कह दी। बाद में अखिलेश ने अजय को 'चिरकुट' कहकर संबोधित कर दिया। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं। छद्म-सेकुलरवादियों की विभाजनकारी राजनीति, जिसमें अक्सर मुसलमानों को इस्लाम के नाम पर एकजुट और हिंदुओं को जातियों के नाम विभाजित किया जाता है- उसके अनुरूप कांग्रेस और उसके शीर्ष नेता (राहुल गांधी सहित) खुलकर जातीय जनगणना की मांग करने लगे, तो मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा देने हेतु इजराइल-हमास युद्ध में फिलिस्तीन का समर्थन कर दिया। परंतु अखिलेश ने मध्यप्रदेश की एक चुनावी सभा में कांग्रेस की पोल खोलते हुए कह दिया कि कांग्रेस जातीय जनगणना का समर्थन इसलिए कर रही है, क्योंकि उसके पारंपरिक मतदाता छिटक गए है। यह ठीक है कि सदियों से हिंदू समाज अस्पृश्यता से अभिशप्त है और इसके परिमार्जन हेतु एक लंबा संघर्ष भी किया गया है, जिसमें अब भी काफी कुछ किया जाना शेष है। परंतु वर्तमान दौर में स्वयंभू सेकुलरवादियों द्वारा जातीय जनगणना से सामाजिक विषमता दूर करने की बात मात्र छलावा है। इनका वास्तविक उद्देश्य समरसता के बजाय टकराव को बढ़ावा देना है। जिन वंचितों का हितैषी होने का दम यह राजनीतिक कुनबा भरता है, उनके प्रति इस जमात का आचरण कैसा है, इसका उदाहरण बिहार के विधानसभा सदन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री और महादलित समाज के वरिष्ठ नेता जीतन राम मांझी पर बिफरने में मिल जाता है। मांझी शालीन भाषा में आरक्षण व्यवस्था की जमीनी सच्चाई के बारे में बता रहे थे, तभी नीतीश अपना आपा खो बैठे और शब्दों की मर्यादा भूल गए। यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले नीतीश ने विधानसभा और विधानपरिषद में महिलाओं को लेकर बहुत ही असहज वक्तव्य दिया था। जन्मदर संबंधित चर्चा में जिस सड़कछाप भाषा का उपयोग नीतीश ने किया, उसने न केवल महिलाओं की गरिमा पर गहरा प्रहार किया, साथ ही आई.एन.डी.आई. गठबंधन की मानसिकता को भी उजागर कर दिया। विवाद बढ़ने पर मुख्यमंत्री नीतीश ने अपनी अभद्र टिप्पणियों के लिए माफी तो मांग ली, परंतु प्रदेश में उनके मुख्य सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के शीर्ष नेता और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव- नीतीश का बचाव करते दिखे। इस विपक्षी गठबंधन की हिंदू विरोधी मानसिकता भी सर्वविदित है। रामचरितमानस और बदरीनाथ के बाद आई.एन.डी.आई. गठबंधन और सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने दीपावली के अवसर पर करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर पुन- कुठाराघात करते हुए मां लक्ष्मी पर अपमानजनक टिप्पणी कर दी। इससे पहले इसी गठबंधन के एक मुख्य घटक द्रमुक ने सनातन धर्म को समाप्त करने का आह्वान किया था, जिसे कांग्रेस के कई नेताओं का समर्थन भी प्राप्त था। कई विरोधाभासों के बाद भी यह सभी विपक्षी दल एकजुट रहने का स्वांग क्यों कर रहे है? इसके दो कारण है। पहला- उनका एकमात्र लक्ष्य किसी भी सूरत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाना है। इसी कारण उनकी नीतियां भी भारत-विरोधी हो जाती है। भारतीय उपमहाद्वीप सदियों से इस्लामी आतंकवाद का शिकार रहा है। जब हमास के हालिया भयावह जिहादी हमले के बाद इजराइल ने प्रतिक्रियास्वरूप अपनी सैन्य कार्रवाई शुरू की, तब भारत सरकार ने इसका पुरजोर समर्थन किया। इसके उलट, 16 विपक्षी नेताओं (कांग्रेस-वामपंथी सहित) का एक समूह दिल्ली में 16 अक्टूबर को फिलीस्तीन दूत से मिलने चला गया। दूसरा- आज अधिकांश विरोधी दलों का दामन भ्रष्टाचार-कदाचार के आरोपों से दागदार है। तृणमूल कांग्रेस नेताओं पर शिक्षक भर्ती सहित सारधा-रोजवैली चिटफंड आदि घोटालों का आरोप, राजद नेतृत्व पर बेनामी संपत्ति, रेलवे परियोजना आवंटन में वित्तीय गड़बड़ी और आईआरसीटीसी घोटाले का आरोप, ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तक जांच की आंच पहुंचना और कांग्रेस में राहुल-सोनिया हजारों करोड़ के नेशनल हेराल्ड वित्तीय कदाचार मामले में जमानत पर बाहर है। वास्तव में, भारत बीते 2014 से एक वांछित परिवर्तन से गुजर रहा है। इसमें वैश्विक आर्थिकी में देश का 10वें से चौथे स्थान पर पहुंचना, भारतीय हितों को सर्वोपरि रखना, श्रीराम मंदिर और काशी विश्वनाथ धाम आदि के रूप में देश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण करना और धारा 370-35ए का संवैधानिक क्षरण इत्यादि शामिल है।

नोबेल पुरस्कार का यूरोपीय दबदबा

अनुभा मिश्रा

2023 के प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार विजेताओं की घोषणा हाल ही में की गई। चूंकि भारतीय इस पुरस्कार को इतना महत्व देते हैं इसलिए यह जांचना उपयोगी है कि क्या पुरस्कारों के मानदंड पूरी तरह से वस्तुनिष्ठ है। बहिष्कृत दुनिया के बाकी हिस्सों द्वारा खुशी से स्वीकार की जाने वाली प्रमुख प्रवृत्ति में पिछले कुछ वर्षों में एशियाई, अफ्रीकी, लैटिन अमरीकी नामों का नगण्य उल्लेख देखा गया है। 2019 में साहित्य में दोहरे नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले पुरस्कार समिति के प्रमुख एंडर्स ओल्सन ने एक साहसिक दावा किया। उन्होंने कहा कि साहित्य पर हमारा दृष्टिकोण अधिक यूरोकेंद्रित था और अब हम पूरी दुनिया पर नजर डाल रहे हैं।1895 में नोबेल पुरस्कार की शुरुआत के बाद से यह लगातार यूरोकेंद्रित प्रतीत होता है। पिछले 20 वर्षों में 75 प्रतिशत से अधिक विजेता यूरोप से रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम ने 137 पुरस्कार जीते हैं, जर्मनी 11, फ्रांस 73, रूस 32, स्वीडन 33, कनाडा 28, स्विट्जरलैंड 27 और नीदरलैंड 22, संयुक्त राज्य अमरीका ने अधिकतम 406 पुरस्कार जीते हैं। एशिया में एक अपवाद जापान है, जिसने 29 पुरस्कार जीते हैं। क्या यह संयोग है कि वह पश्चिम का कट्टर सहयोगी है? हालांकि, यह आश्चर्यजनक है कि केवल 9.5 मिलियन की आबादी वाले स्वीडन ने 5.5 बिलियन की संयुक्त आबादी के साथ पूरे एशिया और अफ्रीका के समान पुरस्कार जीते हैं। 80 के दशक के मध्य तक एक भी अफ्रीकी, अरब या चीनी लेखक ने जीत हासिल नहीं की थी, हालांकि रवीन्द्रनाथ टैगोर (1913) के साथ लैटिन अमरीका ने थोड़ा बेहतर प्रदर्शन किया। 2007 में मैन बुकर इंटरनैशनल पुरस्कार जीतने वाले नाइजीरिया के अग्रणी लेखक स्व. चिनुआ अचेबे के लिए जो स्वीडिश पुरस्कार उन्हें नहीं मिल सके वे काफी हद तक 'यूरोपीय पुरस्कार' थे। 1913 में रवीन्द्रनाथ टैगोर के बाद किसी भी भारतीय को साहित्य का नोबेल नहीं मिला है। एक ऐसे देश में जिसके पास यकीनन दुनिया की सबसे समृद्ध भाषाई विरासत है क्या 1913 के बाद से एक भी लेखक इस पुरस्कार के योग्य नहीं है? मुंशी प्रेमचंद, रामधारी सिंह दिनकर, महाश्वेता देवी, गुलजार, वी.एस. नायपॉल (मूल रूप से भारतीय और पसंद से ब्रिटिश) ने 2001 में पुरस्कार जीता था लेकिन केवल तब तक उन्होंने 9/11 के बाद इस्लामी दुनिया की अपनी कठोर आलोचना से खुद को पश्चिम का प्रिय बना लिया था। इसलिए जरूरी है कि हम नोबेल पुरस्कार की आशा से मंत्रमुग्ध होने की बजाय उसके कुछ फैसलों पर सवाल उठाएं। आखिरकार, शांति के लिए नोबेल पुरस्कार कितना उद्देश्यपूर्ण या वांछनीय हो सकता है। अगर दुनिया में सदियों से देखे गए अहिंसा के सबसे महान दूत महात्मा गांधी को कभी यह पुरस्कार नहीं मिला। उनका नाम कई बार नामांकित किया गया लेकिन स्वीडन ब्रिटेन को नाराज नहीं करना चाहता था। 1947 के बाद जवाहर लाल नेहरू 11 बार नामांकित हुए लेकिन उन्हें भी मौका नहीं मिला। हालांकि, अमरीकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के सलाहकार हैनरी किसिंजर ने इसमें जीत हासिल की। शांति में उनके योगदान में वियतनाम में बमों का उपयोग करना और बंगलादेशी मुक्ति में पाकिस्तानी तानाशाह जनरल याहिया खान का समर्थन करना शामिल था। भारत जैसी सभ्यताएं जो आदि काल से विकसित हुई है और जिनकी एक समृद्ध परम्परा है, उन्हें वैश्विक निष्पक्षता के रूप में लपेटे और प्रस्तुत किए गए पूर्वाग्रहों की विवेकपूर्ण तरीके से जांच करना सीखना चाहिए। यह नोबेल पुरस्कार को बदनाम करने या उसका अवमूल्यन करने के लिए नहीं है बल्कि यह तर्क देने के लिए है कि हमें अपने मानकों और दिमाग के माध्यम से इसकी निष्पक्षता और वस्तुनिष्ठता का मूल्यांकन करने में सक्षम होना चाहिए। अब तक 141 शांति पुरस्कार विजेताओं में से केवल 19 महिलाएं हैं, 119 साहित्य पुरस्कार विजेताओं में से केवल 17; 227 चिकित्सा पुरस्कार विजेताओं में से केवल 13; 192 रसायन विज्ञान पुरस्कार विजेताओं में से केवल 8, 224 भौतिकी पुरस्कार विजेताओं में से केवल चार, 93 अर्थशास्त्र पुरस्कार विजेताओं में से केवल तीन। ऐसी अन्य जिज्ञासाएं भी हैं जो नोबेल पुरस्कार फाउंडेशन की अंतरात्मा को परेशान करती हैं।

अमेरिका पढ़ने जाने में हम भारतीय सबसे आगे

अमेरिका पढ़ने जाने वाले भारतीयों में सबसे पहले पंडिता रमाबाई और आनंदी बाई जोशी का नाम आता है। आनंदी बाई जोशी ने 1886 में वहां से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की थी। पिछली सदी की शुरुआत में भारत से जो छात्र पढ़ने गए, उन्होंने ज्यादातर कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के बर्कले कैंपस में पढ़ाई की। डॉक्टर भीमराव आंबेडकर भी वहां पढ़ने गए थे और लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भी बीए, एमए की पढ़ाई वहां से की थी। वैसे अमेरिका पढ़ने गए भारतीयों की संख्या कम थी। जब 1965 में अमेरिका ने अपने नियम उदार किए, तब भारतीयों का वहां जाना आसान हुआ। हालांकि, 21वीं सदी की शुरुआत में ही अमेरिका जाने वाले भारतीयों की लहर सी आई। जब भारतीय आईटी कंपनियों को अमेरिका में काम मिलने लगा और वहां पर आईटी पेशेवरों की कमी होने लगी, तब पढ़ाई और नौकरी के लिए अमेरिका जाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ी। यूनेस्को के अनुसार, साल 2021 में पांच लाख आठ हजार छात्र अमेरिका में पढ़ रहे थे। अमेरिका जाने वाले कुल छात्रों की संख्या में 35 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। अब भारतीय छात्र अमेरिका पढ़ने जाने वालों में अव्वल स्थान पर आ गए हैं और चीन अब दूसरे स्थान पर आ गया है। ऐसा होने के तीन प्रमुख कारण हैं। एक यह कि पढ़ाईकरते हुए अमेरिका में छात्रों को महीने में बीस घंटे काम करने की मंजूरी है। इससे बहुत से छात्र अपना कुछ खर्च निकाल लेते हैं। दूसरा कारण, भारतीय छात्र मेधावी हैं और विज्ञान, गणित, टेक्नोलॉजी में वे दूसरे देशों के छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। तीसरा कारण, अमेरिका में औसतन 150 देशों के छात्र पढ़ते हैं, तो वहां पढ़ने से अनेक देशों के छात्रों में संवाद होता है। नए विचार मिलते हैं और एक छात्र का वैश्विक नेटवर्क तैयार होता है, संभावनाएं बढ़ती हैं। और भी कारण हैं। जैसे, भारत-अमेरिका संबंध सुधरे हैं। पिछली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान 52 समझौते हुए थे, जिनमें उच्च शिक्षा संबंधी एमओयू भी शामिल था, इससे भी पिछले साल भारत से अमेरिका जाने वालों की संख्या बढ़ी है। अब चीन से अमेरिका जाने वाले छात्रों की संख्या कम हो रही है। 15 साल तक चीन पहले स्थान पर रहा है और पिछले साल भारत पहले स्थान पर आ गया है। चीन से करीब 1.26 लाख छात्र स्नातक पाठ्यक्रम के लिए अमेरिका गए, जबकि भारत से करीब 1.68 लाख। अब सवाल उठता है कि क्या इतनी बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों के अमेरिका जाने से भारत को नुकसान नहीं है? इस मद में करीब छह अरब डॉलर सिर्फ शिक्षा शुल्क के रूप में हर साल भारत से अमेरिका जा रहा है। जितने छात्र वहां पढ़ रहे हैं, उनका कुल खर्च 28 अरब डॉलर सालाना है। इसके अलावा योग्य छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं और उनमें से करीब 70 से 80 प्रतिशत छात्र वहीं बस जाएंगे। मतलब भारत की प्रतिभा भी गई और पैसा भी। इसका दूसरा पहलू भी है कि भारतीय मूल के लोग अमेरिका जाकर अच्छा काम करेंगे, तो भारत की साख बढ़ेगी। आज अनेक बड़ी कंपनियां हैं, जिनकी बागडोर भारतीयों के हाथों में है। एक धारणा यह बनी है कि भारत बुद्धिमान लोगों का देश है। इसके अलावा एक अपेक्षा यह भी है कि भारतीय लोग अमेरिका में पैसे कमाएंगे, तो भारत भी भेजेंगे, इससे भी देश की ताकत बढ़ेगी। ध्यान रहे भारतीयों द्वारा पढ़ने और रहने के लिए अमेरिका में जो 28 अरब डॉलर खर्च हो रहे हैं, वह भारत के शिक्षा बजट से बहुत ज्यादा है। अगर भारत में ही अच्छी शिक्षा मिले, तो बड़ी संख्या में छात्रों का विदेश जाना रुकेगा। फिलहाल तो उच्चवर्गीय परिवारों में विदेश जाकर पढ़ना फैशन बन गया है। हैदराबाद में तो बाकायदा एक देवता हैं, जहां जाकर लोग वीजा के लिए उनकी पूजा करते हैं।

प्रियंका गांधी ने शिवराज को कहा महान अभिनेता, अमिताभ बच्चन से की तुलना

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5062

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5061

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

वर्ग पहेली 5062

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत का यह न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य है (8)
7. [illegible] (2)
8. फलित ज्योतिष राशियों में से एक (2)
9. हिंदी साहित्य में एक रस जिसका स्थायी भाव निर्वेद है, [illegible] (2)
10. वर्तमान दौर का भारतीय क्रिकेटर, [illegible] (3)
11. किन्हीं दो स्थानों की दूरी तय करने वाली विभक्ति, [illegible] (2)
12. धारण क्षमता, गुंजाइश (3)
13. मयूर, हमारा राष्ट्रीय पक्षी (2)
14. मोहित करने वाला, मोहने वाला (3)
15. मित्र, दोस्त, सखा, मीत उपपति (2)
16. वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (1)
17. नाचने में प्रवृत्त करना (3)
18. झंडा, पताका, फरहरा (2)
20. धर्मनिष्ठ, सदाचारी एवं सज्जन (3)
21. दीपज्वाल, नेत्रांजन, अंजन (3)
22. अत्यंत दुबला-पतला, लंबी गर्दन वाला एक जल पक्षी (4)
23. सोने के तार जिनसे कपड़ों पर बेलबूटे बनाए जाते हैं (2)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (3)
2. आत्मा, अंतःकरण, प्राणवायु (2)
3. चतुर होने की अवस्था (4)
4. [illegible] (3)
5. [illegible] (4)
6. [illegible] (3)
10. चालक, विमान संचालित करने वाला (6)
12. बर्दाश्त करने वाला, सहिष्णु (5)
13. एक पौराणिक भक्त राजा जिसने श्रीकृष्ण की बात मान अपना जीवित शरीर आरे से चिरवाया था (4)
19. वह वस्तु जो जल में उत्पन्न हो (3)
21. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5061 का हल

वे	नि	स			औ	का	र
श	ब	री		मु	का	म	
	ट		प	रा	र		म
को	ना		ग		प्र	ग	ति
ख			ट	क	सा	ल	
खु	दा	ई		म	द		स
ल		मा	कु	ल		भा	ग
ना	दा	न		जा	हां	गी	र

दो महिलाओं को बनाया हवस का शिकार

घर में घुसकर विवाहिता से मारपीट कर किया दुष्कर्म

भोपाल । राजधानी भोपाल में दुष्कर्म के मामले बढ़ते जा रहे हैं। राजधानी में पिछले कुछ घंटे के दौरान दो महिलाओं को दुष्कर्म का शिकार बनाया गया आरोपियों ने घर में घुसकर ना केवल महिलाओं के साथ मारपीट की बल्कि उसके के साथ दुष्कर्म भी किया। पुलिस आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रहे हैं।

इस संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना कमला नगर अंतर्गत 28 वर्षीय विवाहिता घर में अकेली थी तभी मोहल्ले का बदमाश राहुल नामक युवक रात्रि करीब 1:00 बजे उसके घर में घुस गया आरोपी ने विवाहिता के साथ न केवल मारपीट की बल्कि उसके साथ दुष्कर्म किया और जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गया विवाहित ने यह बात अपने पति को बताई । घटना 11 नवंबर की बताई जाती है पति अपनी पत्नी को लेकर थाने पहुंचा तथा आरोपी राहुल के विरुद्ध दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कराया इधर कमला नगर थाना पुलिस ने बताया है कि आरोपी राहुल ने महिला को अकेला पाकर उसके घर में घुसकर उसके साथ मारपीट की तथा जबरन उसके साथ बलात्कार किया आरोपी ने विवाहिता को जान से मारने की धमकी दे डाली। विवाहिता की रिपोर्ट पर कमला नगर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भादवि धारा 376 450 323 एवं 506 के तहत बलात्कार तथा जान से मारने की धमकी का प्रकरण दर्ज कर लिया है पुलिस आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

राजधानी भोपाल में दुष्कर्म की दूसरी घटना राजधानी के खजूरी सड़क इलाके में सामने आई है। बताया जाता है कि राजधानी के खजूरी सड़क इलाके में एक 27 वर्षीय महिला के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपित ने घटना के बाद पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से इंकार कर दिया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार साथ काम करने के दौरान विवाहिता की आरोपी से पहचान हुई थी।पुलिस के मुताबिक महिला एक कालोनी में रहती थी और निजी काम करती है। उसके साथ देवेंद्र जाटव नाम का युवक भी काम किया करता था। पहले दोनों के बीच में दोस्ती हुई और बाद में उनके बीच में नजदीकी संबंध बन गए। चूंकि दोनों एक ही तरह का काम करते थे, इसलिए देवेंद्र का महिला के घर आना-जाना था।

डेढ़ साल पहले की वारदात

करीब डेढ़ साल पहले देवेंद्र महिला के घर पर पहुंचा था, जहां उसने महिला को अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। उसके बाद से वह उसे झांसा देकर लगातार शारीरिक शोषण करने लगा था। पिछले दिनों पीड़िता ने जब उस पर शादी के लिए दबाव डाला, तो वह साफ मुकर गया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत की। इस पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार युवक की मौत

भोपाल । राजधानी भोपाल के बीआईपी रोड इलाके में अंधेरी रफ्तार से जा रहे बाइक सवार की डिवाइडर से टकरा जाने के कारण मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार थाना को एक वीजा अंतर्गत विप रोड से होकर गुजर रहे तेज नारायण के 21 वर्षीय पुत्र जितेंद्र कुमार 20 नवंबर की रात्रि करी पुणे 1 बजे बाइक पर सवार होकर तेजी के साथ गुजर रहे थे इस दौरान उनकी बाइक डिवाइडर से जा टकराया जिससे जितेंद्र के सिर में गंभीर चोट आई थी उसे उपचार के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उसकी मौत हो गई थाना कोहीपुरा पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

दुर्घटना में वृद्धि की मौत

वहीं थाना ट नगर अंतर्गत 60 वर्षीय राजेश गर्ग नामक व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थाना टीटी नगर पुलिस द्वारा मार्ग भयंकर मामले की जांच की जा रही है।

शमशान के पास मिली वृद्ध की लाश

राजधानी भोपाल के निशातपुरा इलाके में पुलिस ने शमशान के पास से एक वृद्ध का शव बरामद किया है इस संबंध में पुलिस सूचना से मिली जानकारी के अनुसार थाना निशातपुरा अंतर्गत पंचवटी कॉलोनी के पास स्थित श्मशान घाट के नजदीक से पुलिस ने एक 70 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। बताया जाता है कि पुलिस को किसी ने सूचना दी थी कि यहां पर शव पड़ा हुआ है पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर वहां से किसी अज्ञात व्यक्ति का शव बरावर किया थाना निशातपुरा पुलिस द्वारा मर्ग कायम का मामले की जांच की जा रही है।

दावत में गए थे स्वजन

पुलिस के मुताबिक पुराना आरटीओ आफिस के करीब पुतली घर निवासी नवीं कक्षा का छात्र था। उसके पिता ई-रिक्शा चलाते है। उसके दो भाई भी है। रविवार के उसके स्वजन एक दावत में गए थे। वहां से सबसे पहले मृतक का बड़ा भाई वापस आया तो दरवाजा अंदर से बंद था। उसने काफी आवाज दी, लेकिन दरवाजा नहीं खुला तो अन्य स्वजनों को इसकी सूचना दे दी। बाद में पड़ोसियों की मदद से गेट तोड़कर घर के अंदर पहुंचे और जहां पर छात्र फांसी पर लटका था। उसे उतारकर अस्पताल ले गए। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नहीं मिला सुसाइड नोट

घटना स्थल की तलाशी में पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है। नाबालिग के इस तरह से जान देने के पीछे के कारण जानने के लिए पुलिस ने उसके स्वजनों से बात की और भाइयों के बयान दर्ज किए है। लेकिन स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

सुसाइड नोट न मिलने की वजह से स्पष्ट नहीं हो सकी खुदकुशी की वजह: टीला जमालपुरा के पुराना आरटीओ इलाके में रहने वाले नौवी कक्षा के छात्र ने रात में घर में फांसी लगा ली। सुसाइड नोट न मिलने की वजह से फिलहाल खुदकुशी की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के वक्त छात्र के स्वजन एक दावत में गए थे। वहां से लौटकर आने पर उन्हें इसके बारे में पता चला। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

फसल कटाई का यंत्र निकला खराब, डीलर को देना होगा हर्जाना

भोपाल (नप्र)। खराब निकले कृषि यंत्र की मरम्मत नहीं करने को राज्य उपभोक्ता आयोग ने सेवा में कमी माना और इस मामले में डीलर को कड़ी फटकार लगाते हुए एक लाख रुपये का हर्जाना लगाया है। हर्जाने का भुगतान किसान को करने का आदेश दिया है।

सतना के महगवां निवासी किसान दिलीप कुमार द्विवेदी ने फसलों की कटाई के लिए एक लाख रुपये में कृषि यंत्र (रीपर ब्रीव्स) खरीदा था, जो खराब निकला। किसान ने डीलर से इसकी शिकायत करके सही कराने का अनुरोध किया, लेकिन उसकी ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। इससे परेशान होकर किसान ने जिला उपभोक्ता आयोग में याचिका लगा दी। आयोग ने कंपनी को एक लाख रुपये की राशि वापस करने के निर्देश दिए, लेकिन उपभोक्ता संतुष्ट नहीं हुआ। इसके बाद किसान राज्य उपभोक्ता आयोग पहुंचा। इसके करीब 10 साल बाद राज्य आयोग ने जिला आयोग के आदेश को सही ठहराया। आयोग ने कंपनी के डीलर को फटकार लगाते हुए कहा कि मशीन खराब देने से किसान को नुकसान हुआ। अब उसे मशीन की पूरी राशि और मानसिक क्षतिपूर्ति राशि दी जाए।

राज्य उपभोक्ता आयोग में डीलर ने तर्क रखा कि किसान ने मप्र शासन की योजना का लाभ लेने की मंशा से गेहूं एवं धान काटने की मशीन खरीदी, जिसका वह आज भी उपयोग कर रहा है। इंजीनियर को भेजकर दिखवाया तो मशीन में कोई खराबी नहीं थी। राज्य आयोग ने डीलर के इस तर्क को स्वीकार नहीं किया।

भारतीय रेल में अनिश्चितकालीन हड़ताल हेतु स्ट्राइक बैलेट शुरू

भोपाल (नप्र) न्यू पेंशन स्कीम को रद्द कर पुरानी पेंशन स्कीम बहाली का मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर तूल पकड़ता जा रहा है। वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ के महामंत्री अशोक शर्मा व संघ प्रवक्ता /संयुक्त महामंत्री सतीश कुमार ने बताया कि NC/JCM नेता डॉ. एम. राघवैया जी के निर्देशानुसार नेशनल पेंशन स्कीम (7305) के विरुद्ध वेस्ट सेन्ट्रल रेलवे मजदूर संघ (44845) द्वारा जबलपुर जोनल रेलवे के जबलपुर, भोपाल तथा कोटा मंडलो में स्थित सभी कारखानो एसी /डीजल शैडो, डिपो, शाखा, मंडल तथा मुख्यालय स्तर पर एक साथ भारतीय रेल में आज दिनांक 20 नवम्बर 2023 से जोरदार आगाज हुआ 7 इस दौरान संघ के प्रतिनिधि रेल कर्मचारी साथियों से एनपीएस रद्द कर पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) बहाली हेतु अनिश्चितकालीन हड़ताल हेतु रेल कर्मचारियों से स्ट्राइक बैलेट के माध्यम से उनका मत लिया।

दरअसल NJCA की राष्ट्रीय बैठक में तमाम फैडरेशनों के नेताओं ने एनपीएस के खिलाफ आन्दोलन की वृहद रूपरेखा तैयार की है, जिसमें वर्ष 2023 फरवरी में रैली, अप्रैल में प्रत्येक यूनिट पर रैली, मई में मशाल जलूस, जून में राज्य स्तर पर रैली तथा जुलाई/अगस्त में मेगा रैली नई दिल्ली में आयोजित की। अब संघ आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के लिए कर्मचारियों का रुख जाना जिसमें अधिकतर कर्मियों ने रेल हड़ताल का समर्थन किया है। संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अनुज तिवारी, मंडल अध्यक्ष एस.एन. शुक्ला, मंडल सचिव डी.पी. अग्रवाल, सहायक महामंत्री अवधेश तिवारी, दीनादयाल, जे.पी. मीना, आर.पी.सिंह, दीपक केसरी, एस.आर. बाउरी, रोशन यादव, हर्ष वर्मा, मंदीप सिंह, अनिल चौबे, आदि ने इस महाअभियान में बढ़ चढ़कर योगदान दिया।

मप्र भाजपा के नेता तेलंगाना मे झोंकेंगे ताकत

22 नेताओं को सौंपी गई जिम्मेदारी

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद अब भाजपा नेता तेलंगाना चुनाव में अपनी ताकत झोंकेंगे। एमपी भाजपा के दिग्गज नेता तेलंगाना में डेरा डालेंगे। भाजपा के 22 नेताओं को चुनाव में अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिसमें प्रदेश के मंत्री और संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी तेलंगाना जाएंगे।

तेलगांना चुनाव में गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, मंत्री विश्वास सारंग, अरविंद भदौरिया, विधायक रामेश्वर शर्मा, सांसद केपी यादव, सांसद अनिल फिरोजिया, मंत्री मोहन यादव, यशपाल सिंह सिसोदिया, कमल पटेल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा जसपाल सिंह चावड़ा, शैलेंद्र बरुआ, आशुतोष तिवारी, विधायक शरदेंदु तिवारी, गौरव रणदिवे, मंत्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर, जीतू जिराती, मुकेश चौधरी, सुरेंद्र शर्मा, बंशीलाल गुर्जर, गजेंद्र सिंह पटेल, राजेंद्र शुक्ल, रमेश मंदोला का भी नाम शामिल है। बता दें कि तेलंगाना विधानसभा 2023 के लिए 30 नवंबर को मतदान होगा और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी। 119 सीटों वाली तेलंगाना में सत्ता हासिल करने का मैजिक नंबर 60 है। 2018 के विधानसभा चुनाव में बीआरएस ने 88 सीटें हासिल कर सरकार बनाई थी। कांग्रेस को 19, एआईएमआईएम को सात, टीडीपी को दो और भाजपा को सिर्फ एक सीट मिली थी।

गौरतलब है कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2023 में केसीआर की भारत राष्ट्र समिति सभी 119 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस ने 118 सीटों पर उम्मीदवार उतारे है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 111 सीटों पर कैंडिडेट उतारा है। भाजपा की गठबंधन सहयोगी जन सेना पार्टी 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने 9 सीटों पर कैंडिडेट उतारे है।

कांग्रेस ने 26 को प्रत्याशियों को बुलाया भोपाल

सभी 230 विधायकों और मतगणना एजेंट को दी जाएगी ट्रेनिंग

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न हो चुका है। प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद है। आगामी तीन दिसंबर को मतों की गणना की जाएगी। मतगणना की तैयारी में राजनीतिक पार्टियां जुट गई है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपने विधानसभा प्रत्याशी को 26 नवंबर को राजधानी भोपाल बुलाया है।

जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी 230 विधायक प्रत्याशियों को ट्रेनिंग के लिए भोपाल बुलाया गया है। विधायक प्रत्याशी और मतगणना एजेंट को ट्रेनिंग दी जाएगी। 26 नवंबर को कांग्रेस द्वारा ट्रेनिंग कैंप लगाया जा रहा है। ट्रेनिंग में प्रत्याशियों को मतगणना से संबंधित जानकारी दी जाएगी। ट्रेनिंग में मतगणना के दौरान किन-किन बातों का ध्यान रखना है इस बात की विशेष जानकारी (टिप्स) दी जाएगी। ट्रेनिंग में ईवीएम और वीवीपैट की भी जानकारी दी जाएगी। बता दें कि साल 2018 में भी कांग्रेस ने मतगणना के पहले प्रत्याशियों को इसी तरह ट्रेनिंग के लिए बुलाई थी। उसी कड़ी में इसबार भी ऐसा किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को मिलेगा अवकाश

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश के पुलिस के अधिकारी-कर्मचारियों को पूर्व की तरह सामान्य अवकाश दिए जाएंगे। प्रदेश में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सामान्य अवकाश निरस्त कर दिए गए थे, अब अवकाश पुनः प्रारंभ हो जाएंगे। पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी कर दिए हैं। चुनाव के चलते अभी तक तक सीमित अवधि के लिए ही अवकाश स्वीकृत करने के निर्देश थे। डीजीपी ने यह भी कहा है कि तीन दिसंबर को चुनाव के परिणाम आने के बाद कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द की स्थिति सामान्य बनाए रखने के लिए पहले से ही अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाए। बता दें कि विधानसभा चुनाव के कारण पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के सामान्य अवकाश निरस्त कर दिए गए थे, जिससे उन्हें घरेलू कामकाज निपटाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

शोर्य और स्वाभिमान की मिसाल वीरांगना लक्ष्मीबाई...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बुंदेले हरबोलो के मुंह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। इन पंक्तियों से लगभग प्रत्येक भारतीय परिचित हे। रानी लक्ष्मीबाई के शोर्य और वीरता पर लिखी प्रसिद्ध कवियत्री सुभद्रा कुमारी चौहान की ये यादगार कविता आज भी युवाओ में देशभक्ति के भाव को जगाने का काम करती हे। भारत भूमि वीर प्रसवनी कहलाती हे। इस भूमि ने जन्हा अनेक वीरो को जन्म दिया वही इस पुण्यभूमि पर अनेक वीरांगनाओं ने भी आकर इसे सर्वश्रेष्ठ बनाया। इन्ही वीरांगनाओं ने अपनी देशभक्ति व पराक्रम से इस देश को सदा के लिए अमर बना दिया। ऐसी वीरांगनाओं में झांसी की रानी लक्ष्मीबाई अग्रणी हे। रानी लक्ष्मीबाई नारी शक्ति की मिसाल हे। भारतीय वसुंधरा को गोरवांतित करने वाली झांसी की रानी वीरांगना लक्ष्मीबाई वास्तविक अर्थ में वीरांगना थी। जो वीर होते हे वह कभी आपत्तियों से घबराते नही हे। प्रलोभन उसे कर्तव्य पालन से विमुख नही कर सकते। उसका लक्ष्य उदार और उच्च होता हे। उसका चरित्र अनुकरणीय होता हे। अपने पवित्र उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वह सदेव आत्मविश्वासी, कर्तव्य परायण, स्वाभीमानी और धर्मनिष्टहोता हे। ऐसी ही थी वीरांगना लक्ष्मीबाई। उस कठिन समय में जब की देश में भयंकर राजनीतिक भूचाल आया हुआ था और बड़े - बड़े राजभवन डगमगा रहे थे झांसी की रानी दृढता पूर्वक अपने राज्य में शांति और सुव्यवस्था कायम रखकर प्रजा को सुखी बनाने का प्रयास कर रही थी। रानी लक्ष्मीबाई की आयु बहुत कम थी। राज्य संचालन का कोई अनुभव नही था चारो तरफ नई - नई बाधाएं उत्पन्न हो रही थी फिर भी उसके सुशासन की प्रशंसा झांसी ही नही पूरा देश आज भी करता हे। वे एक श्रेष्ठशाशनकर्ता और चतुर राजनीतिज्ञ की भूमिका अच्छे से निभा रही थी। 1857 की क्रांति के समय रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी की संघर्षशील महिला सेना के साथ ब्रिटिश शासन के विरुद्ध उत्कृष्टयोगदान दिया। यन्ही से भारत की प्रथम स्वाधीनता क्रांति का बीज प्रस्फुटित हुआ। रानी लक्ष्मीबाई के मुख से निकला ध्येय वाक्य में अपनी झांसी नही दूंगी क्रांति की ज्वाला बन गया था। अंग्रेजो की राज्य लिप्सा की नीति से पूरा देश असंतुष्ट हो गया और सभी में विद्रोह की भावना भभक उठी। रानी लक्ष्मीबाई ने इसको स्वर्णावसर माना और अंग्रेजो के विरुद्ध विद्रोह की योजना बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने 29 वर्ष की अल्प आयु में ऐसा काम कर दिखाया जिसकी याद आज वर्षो बीत जाने के बाद भी मन मस्तिष्क पर अमिट बनी हुई हे और देशवासियो को प्रेरणा दे रही हे। वे भारतीय स्त्रियां जो अपने को अबला और असहाय कहकर कर्मठता और कठिनाइयों के जीवन से विलग रहती हे रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से बहुमूल्य प्रेरणा ले सकती हे। भारत के इतिहास की एक महिला योद्धा ने भारतीयो को ऐसा प्रभावित किया की अंग्रेजो के विरुद्ध उनकी उनकी वीरता की लड़ाई पूरे देश में कई लोक गीतो और कथाओ का विषय बन गई। रानी लक्ष्मीबाई का जीवन संघर्ष, साहस, समर्पण देशभक्ति और उच्च नैतिकता की प्रेरणा देने वाला हे। वीरांगना लक्ष्मीबाई का योगदान हमारे महान इतिहास का हिस्सा रहेगा जो हमे सदेव प्रेरित करता रहेगा।

गौरव सोनी, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	163	2021	2570
उडद	22	3939	8699
सोयाबीन	7000	4500	5190
गैहु	3000	2550	3100
चना	183	4600	6112
मसुर	120	4000	6066
धनिया	217	6151	7410
लहसुन	11000	12000	21000
मैथी	389	5161	6599
अलसी	1450	4621	5270
सरसो	226	4831	5391
तारामीरा	12	4780	4819
इसबगोल	37	13799	19200
प्याज	7000	680	3661
कलोंजी	37	9501	16681
डॉलर	14	4800	13380
तिल्ली	30	12980	16500
मटरसुखी	15	2191	3420
असालीया	11	7601	10399

विधानसभा प्रत्याशी विपिन जैन ने अन्नकूट महोत्सव में की सहभागिता

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर के सम्राट मार्केट स्थित भगवान महादेव के अन्नकूट महोत्सव में जिला कांग्रेस अध्यक्ष व विधानसभा प्रत्याशी श्री विपिन जैन ने भगवान महादेव की आरती कर प्रसादी का वितरण अपने हाथों से शुभारंभ किया। इससे पहले किशोर सैनी, सत्यनारायण सैनी ने श्री जैन का दुपट्टा ओड़ा कर, माला पहना कर स्वागत किया। गोर तलब है कि यह अन्नकूट महोत्सव कई सालों से दीपावली पर्व के बाद हर साल मनाया जाता है। इस अन्नकूट महोत्सव में राजनारायण लाड़, गोपाल ग्वाला, राजेश खींची, मूगिस अख्तर , गौरव माली, मनीष बैरागी, नरेंद्र सैनी लालचंद सैनी, मोहनलाल सैनी, कैलाश चौधरी, रोहित चौधरी ,गणपत सैनी, राकेश सैनी, बबलू सैनी, विजय नामदेव, ज्ञानचंद नामदेव, नरेश बाबानी, सुनील माली , गौरव चौधरी रजत चौधरी , विक्की रजवानिया इस अवसर पर उपस्थित थे।

दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पुस्तक एवं स्टेशनरी विक्रेता संघ का दीपावली मिलन समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

प्रारंभ में सभी वरिष्ठसाथियों द्वारा मां सरस्वती जी की पूजा कर दीप प्रज्वलित किया गया एवं सभी सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की गई। उसके बाद संघ के वरिष्ठ सदस्य पुखराज पामेचा का सम्मान किया गया साथ ही कपल्स व बच्चों के लिए गेम रखे गये जिसमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। दीपावली मिलन समारोह की प्रसादी ग्रहण की गई। इस दौरान ऋषभ इंडस्टरीज रतलाम ,नवनीत पेपर एजेंसी इंदौर, फ्लेयर राइटिंग कंपनी के साथ ही मंदसौर संगठन द्वारा भी उपहार प्रदान किए गए। गेम प्रतियोगिता में जीतने वाले को पुरस्कार आशीष फाइल मैन्युफैक्चरिंग द्वारा प्रदान किए गए। अंत में अध्यक्ष राकेश मंत्री, सचिव वासुदेव सोमानी , कोषाध्यक्ष राकेश दुग्गड ने सभी सदस्यों का कार्यक्रम में उपस्थित होने पर आभार व्यक्त किया।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का निर्णय-

चुनाव का भ्रष्ट आचरण अपराध के आरोप की तरह प्रमाणित होना जरूरी है

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री दिनेशकुमार पालीवाल ने अपने निर्णय मे यह प्रतिपादन किया है कि चुनाव मे भ्रष्टआचरण का आरोप गंभीर आरोप होता है तथा इसे साबित करने का मानक अपराध के आरोप के समान होता है इसलिये युक्तियुक्त संदेह से परे प्रमाणित किये जाने पर ही भ्रष्ट आचरण के आधार पर किसी चुनाव को अवैध और शून्य घोषित किया जा सकता है अन्यथा चुनाव को अवैध घोषित नही किया जा सकता। मध्यप्रदेश के टीकमगढ विधानसभा क्षेत्र के वर्ष 2018 के चुनाव के संबंध मे यह चुनाव याचिका मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। जिसका निर्णय 14 मार्च 2023 को हुआ। निर्वाचित उम्मीदवार द्वारा चुनाव मे भ्रष्टआचरण किये जाने के आरोप पराजित उम्मीदवार द्वारा याचिका मे लगाये गये थे। यह आरोप लगाया गया था कि निर्वाचित उम्मीदवार की पत्नी नगर पालिका की अध्यक्ष थी , नगर पालिका के दैनिक वेतन कर्मचारी चुनाव प्रचार मे लगाये गये थे और उन्होने प्रचार किया था। मतदाताओ को वोट दने के लिए कम्बल, साडी, नगदी बांटे गये थे। मतदान मशीने विहित समय से पहले बंद कर दी गई थी। मतदान के दौरान मशीने बदली गई थी। निर्वाचित उम्मीदवार ने स्वयं के विरूद्ध विचाराधीन आपराधिक प्रकरणो की सूचना अपने

राजनैतिक दल को देने व समाचार पत्र मे प्रकाशन के निर्देश का ठीक से पालन नही किया । कम प्रसारित समाचार पत्र मे विवरण प्रकाशित करवा दिया गया था। माननीय उच्च न्यायालय ने पाया कि इन आरोपो के सबंध मे कोई विधि सम्मत साक्ष्य प्रस्तुत नही की गई है। सुनी सुनाई साक्ष्य विधि मान्य नही है। राजनैतिक दल के कार्यकर्ता व हितबद्ध साक्षी विश्वास योग्य नही है। याचिका मे भ्रष्टआचरण के अभिकथन का अभिवाक पूर्ण विवरण सहित किया जाना आवश्यक है। इस अभिकथन को तर्कपूर्ण और सुसंगत साक्ष्य से साबित किया जाना होता है। भ्रष्ट आचरण का अभिवचन युक्तियुक्त संदेह से परे साबित किया जाना आवश्यक है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 मे भ्रष्टआचरण का विवरण है। किसी व्यक्ति को अभ्यर्थी के रूप मे खडे होने या न होने के लिए या अभ्यर्थिता वापस लेने या न लेने के लिए या मतदाताओ को वौट देने या न देने के लिए रिश्वत या परितोषण देना भ्रष्ट आचरण है। इसके लिए दबाव डालने एधमकी देने, सामाजिक बहिष्कार करने , क्षति पहुंचाने की चेतावनी देने का कृत्य भी भ्रष्ट आचरण है। दैवी प्रकोप या आध्यात्मिक कोप भाजन, परिनिन्दा का पात्र होगा, यह बताना भी भ्रष्ट आचरण है। धर्म, भाषा, मूलवंश, जाति, समुदाय के आधार पर मतदान के लिए प्रेरित करना भी भ्रष्टआचरण है। धार्मिक प्रतीको, राष्ट्रीय प्रतीक, राष्ट्रध्वज या राष्ट्रीय संप्रतीक का उपयोग या दुहाई भी भ्रष्ट आचरण है। समुदायो मे घृणा या शत्रुता की भावना भडकाना भी वर्जित है। मतदाताओ को आने जाने के लिए वाहन उपलब्ध कराना, शासकीय सेवक को अपने मत अर्जन मे कार्य करवाना भी निषिद्व है। इनमे से कोई भ्रष्ट आचरण प्रमाणित होने पर चुनाव अवैध घोषित किया जा सकता है। भ्रष्ट आचरण को अपराध भी घोषित किया गया है जिसके लिए धारा 125 से 136 मे कारावास के दण्ड का प्रावधान है। आजादी के छ्न्त्र्छ्र् वर्ष पूर्ण हो जाने व अनेक चुनाव हो जाने के बाद विश्व के सबसे बडे व सबसे सफल लोकतंत्र भारत मे चुनावो मे निरंतर अनुचित आचरण की अभिवृद्धि देखी जा सकती है। उम्मीदवारो द्वारा वोट हासिली करने के लिए उपरोक्त भ्रष्ट आचरण मे कोई संकोच नही होता है किन्तु इसके लिए विधि सम्मत सबूत जुटाना अत्यंत दुष्कर कार्य है। यही कारण है कि सर्वज्ञात तथ्य के रूप मे भ्रष्ट आचरण के द्वारा चुनाव प्रभावित किये जाते है किन्तु इसे अधिकांश लोगो ने सामान्य बात मान लिया है। यदि कोई इसे चुनौती देता है तो उसे प्रमाण के अभाव मे सफलता नही मिल पाती है। चुनाव आयोग अनेक प्रयासो के बावजूद भ्रष्ट आचरण को पूरी तरह रोकने मे सफल नही हो पाता है। सीमित साधनो मे अनुसंधान व सबूत संकलन संभव नही है। चुनावो को अधिक पारदर्शी व निरापद बनाने के लिए आवश्यक है कि भ्रष्ट आचरण पर रोक लगाई जावे व पारंगत जाच एजेंसियों द्वारा अनुसधान व साक्ष्य संकलन कर दोषियो को दण्ड मिले व अनुचित आचरण पर आधारित निर्वाचन अवैध घोषित होना संभव हो सके। चुनाव के ठीक पूर्व नई योजनाओ के माध्यम से प्रलोभन देना व चुनाव के दौरान लोक लुभावन घोषणाओ के माध्यम से वोट पाने के प्रयास पर अंकुश लगा सके इसके लिए कानूनी प्रावधनो व उन्हे लागु करनेकी चुनौती भी विधायिका, न्यायपालिका व चुनाव आयोग के सामने है। वर्तमान व पूर्व जन प्रतिनिधियों पर आपराधिक आरोपों के प्रकरणों के विचरण के लिए विशेष न्यायालय बनाए गए है उसी प्रकार चुनाव याचिकाओ के शीघ्र निराकरण के लिए भी उपाय किये जाने की आवश्यकता है।

प्रकाश रातडिया, अधिवक्ता

अंचल में सरसों की फसल लहलहाती हुई

लूनाहेड़ा, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। इन दिनों अंचल में खेतों में सरसों की फसल फुलों से लहलहाती हुई। किसानो ने पानी की कमी को देखते हुए सरसों की बुआई अधिक की है। खेतों में सरसों की फसल पीले फुलों से गुलजार है।

मप्र के 30 मौजूदा विधायकों को विधानसभा सचिवालय से जारी हुआ फरमान

नई विधानसभा गठन की तैयारियों में जुटा विधानसभा सचिवालय, 30 मौजूदा विधायकों को भेजी चिट्ठी

भोपाल, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश में 3 दिसंबर को घोषित होने वाले विधानसभा चुनाव 2023 के चुनाव परिणामों से पहले ही विधानसभा सचिवालय ने नई विधानसभा के गठन की तैयारियां शुरु कर दी हैं। इसी कडी में विधानसभा सचिवालय ने मध्यप्रदेश के 30 मौजूदा विधायकों को मकान खाली करने के लिए चिट्ठी लिखी है। जिन मौजूदा विधायकों को चिट्ठी लिखी गई है उनमें भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के विधायक शामिल हैं जिन्हें जल्द से जल्द मकान खाली करने के लिए कहा गया है।

इन विधायकों को जारी हुआ पत्र– घर खाली करने के लिए जिन 30 मौजूदा विधायकों को चिट्ठी भेजी गई हैं वो इस विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनाए गए हैं। उनकी जगह पार्टी ने किसी और को उम्मीदवार घोषित किया था। जिन्हें चिट्ठी भेजी गई है उनमें जालम सिंह पटेल, आकाश विजयवर्गीय, नंदिनी मरावी, देवेंद्र वर्मा, मेवाराम जाटव, रक्षा सिनोरियां भांडेर, कोलारस से वीरेंद्र रघुवंशी, चंदला राजेश प्रजापति, हटा पुरषोत्तम तंतुवाय, त्योंथर श्यामलाल, मंनगावा पंचूलाल प्रजापति, चितरंगी अमर सिंह, सिंगरौली राम लल्लू वैश्य, सीताराम आदिवासी, राकेश मवई, राम डोंगरे, सुमित्रा कासदेकर, पारस जैन सहित अन्य शामिल हैं।

3 दिसंबर को आएंगे चुनाव परिणाम– बता दें कि मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 17 नवंबर को वोटिंग हुई थी और 3 दिसंबर को चुनाव परिणाम घोषित होंगे। विधानसभा चुनाव में किसकी सरकार बनेगी इसका फैसला 3 दिसंबर को होगा लेकिन विधानसभा सचिवालय ने अभी से तैयारियां शुरु कर दी हैं। विधानसभा सचिवालय ने राज्य सरकार को भी पत्र भेजा है जिसमें विभिन्न विभागों के गेस्ट हाउस और रेस्ट हाउस रिक्त रखने को कहा गया है। नए विधायकों को परेशानी ना हो इसलिए यह फैसला लिया गया है।

जहरीला पदार्थ खाया, युवक की मौत

नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कैंट थाने के ग्राम कनावटी में एक युवक ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। इसके बाद उसकी तबियत बिगड गई। परिजन तत्काल उसे नीमच के बड़े अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए युवक को राजस्थान के उदयपुर रेफर किया। किन्तु परिजनो ने उसे नीमच के ही निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

साथ ही परिजनों ने युवक की तबियत ज्यादा खराब होने के चलते उसे इलाज के लिए कनावटी स्थित निजी चिकित्सालय में भी भर्ती कराया था। निजी चिकित्सालय में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरेंद्र सिंह पिता सुरेंद्र सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी सेमली आत्री हालमुकाम गांव कनावटी ने सल्फास की गोली का सेवन कर लिया। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। मृतक युवक के शव का परिजनों की मौजूदगी में नीमच जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी।

सोना 61 हजार पार, चांदी भी 73 हजारी हुई

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार यानी 21 नवंबर को सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 464 रुपए बढ़कर 61 हजार 352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 46 हजार 14 रुपए हो गई है।

इसके अलावा चांदी के दाम में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी 479 रुपए चढ़कर 73 हजार 40 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 72 हजार 561 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। इस महीने अब तक सोने-चांदी के दाम में मामूली बढ़त देखने को मिली है। 1 नवंबर को सोने के दाम 60 हजार 896 रुपए थे, जो अब 61 हजार 352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गए हैं। वहीं चांदी की कीमत अब तक इस महीने 2 हजार 215 रुपए बढ़ी है। चांदी नवंबर के पहले दिन 70 हजार 825 रुपए पर थी, जो अब 73 हजार 40 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है।

62 हजारी हो सकता है सोना...

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी जारी रहने

के आसार हैं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करंसी हेड अनुज गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में बॉन्ड यील्ड घट रही है और डॉलर कमजोर हो रहा है। इससे गोल्ड को सपोर्ट जारी रहेगी। इसके अलावा शादियों का सीजन भी शुरू होने वाला है। ऐसे में डिमांड बढ़ने का असर कीमतों पर होगा। इससे आने वाले दिनों में सोना 62 हजार और चांदी 75 हजार तक जा सकती है।

भजन संध्या एवं छप्पन भोग का आयोजन आज

मनासा, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर में आज 22 नवंबर बुधवार रात्रि 9 बजे नानक शाही इमली के पास एक शाम खाटू वाले श्याम बाबा के नाम भव्य भजन संध्या व छप्पन भोग का आयोजन रखा गया है। भजन संध्या में ख्यात भजन गायक व श्याम भक्त रवि राज दलोदा व हेमंत सोनी (प्रतापगढ) द्वारा अपने श्याम भजनों से भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर श्याम दरबार श्याम ज्योत आकर्षक केंद्र होगी। श्यामभक्त मंडली ने नगर के भजन प्रेमियों से श्याम भजन संध्या में अधिक से अधिक संख्या में आने की अपील की है।

आईसीसी ने श्रीलंका से छीनी अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी, अब दक्षिण अफ्रीका में होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के खिलाफ आईसीसी ने एक बड़ा एक्शन लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आगामी अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी उससे वापस ले ली है। 10 नवंबर को आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड पर प्रतिबंध लगा दिया था। अब अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी दक्षिण अफ्रीका को सौंप दी है। श्रीलंका क्रिकेट में प्रशासनिक अनिश्चितता को देखते हुए आईसीसी बोर्ड ने यह फैसला लिया है। अहमदाबाद में हुई बैठक में इस बारे में फैसला लिया गया। काफी विचार-विमर्श के बाद आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट को निलंबित करने के निर्णय को बरकरार रखने का फैसला किया है। बोर्ड ने कहा कि श्रीलंका टीम से जुड़ा क्रिकेट निर्बाध रूप से जारी रहेगा, लेकिन निलंबन को रद्द नहीं किया जाएगा।

तारीखों में नहीं हुआ बदलाव– अंडर-19 विश्व कप का आयोजन श्रीलंका में 14 जनवरी से 15 फरवरी के बीच होने वाला था। आईसीसी ने दक्षिण अफ्रीका को मेजबानी तो सौंपी है, लेकिन उसने तारीखों में बदलाव नहीं किया है। दक्षिण अफ्रीका में 10 जनवरी से 10 फरवरी एसए टी20 टूर्नामेंट का आयोजन भी होना है।

ओमान और यूएई के नाम पर हुआ विचार– आईसीसी ने नए मेजबान के लिए ओमान और यूएई के नाम पर भी विचार किया, लेकिन बेहतर बुनियादी ढांचे के कारण दक्षिण अफ्रीका को मेजबानी सौंपी। टूर्नामेंट के लिए कम से कम तीन मैदानों की आवश्यकता होती है, लेकिन ओमान के पास एक ही है। वहीं, यूएई में टूर्नामेंट का आयोजन कर काफी महंगा होता. इस कारण आईसीसी ने अफ्रीकी देश को चुना।

श्रीलंका से पहले जिम्बाब्वे पर भी लगा था प्रतिबंध– जिम्बाब्वे क्रिकेट को 2019 में सरकारी हस्तक्षेप के कारण निलंबित किए जाने के बाद पिछले चार वर्षों में एंसएलसी आईसीसी द्वारा निलंबित किया जाने वाला दूसरा पूर्ण सदस्य है। हालांकि, जिम्बाब्वे में सभी क्रिकेट गतिविधियों को अचानक बंद कर दिया गया था. इसके अलावा फंडिंग पर भी रोक लगा दी गई थी। बाद में जिम्बाब्वे क्रिकेट को बहाल कर दिया गया था. आईसीसी श्रीलंका के मामले में सावधानी से कदम उठाएगी।

26 को मावठा गिरने की संभावना, बदलेगा मौसम

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उत्तर भारत से एक्टिव होने वाले वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर मंदसौर सहित पूरे मध्यप्रदेश में भी रहेगा। खासकर पश्चिमी हिस्से यानी इंदौर, भोपाल और उज्जैन संभाग के जिलों में 26 से 28 नवंबर के बीच हल्की बारिश हो सकती है। मतलब मंदसौर में भी बारिश की संभावना है।

यदि बारिश होती है तो यह सीजन का पहला मावठा होगा। इसके बाद सर्दी बढ़ेगी। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दिसंबर का पहला सप्ताह तेज सर्दी वाला रहेगा। इससे पहले दिन-रात के टेम्प्रेचर में कभी गिरावट, तो कभी बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को भी मौसम बदला सा रहा। आज बुधवार को दिन में गर्मी का असर देखने को मिल सकता है। मौसम केंद्र के फोरकास्ट इंचार्ज डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि 25 नवंबर को उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पहुंच रहा है। अब तक के संकेतों के मुताबिक यह स्ट्रांग है। इस वजह से इसका असर मध्यप्रदेश में भी रहेगा।

मौसम बदलने से पहले तक तेज ठंड पडने के आसार नहीं हैं। रात का तापमान 15 डिग्री से अधिक रहेगा। वहीं, दिन में 28 से 30 डिग्री के आसपास तापमान रह सकता है।

राजस्थान राज्य में 25 को मतदान दिवस पर ड्राय डे

नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत कलेक्टचर श्री दिनेश जैन द्वारा नीमच जिले की सीमावर्ती तीन किलोमीटर क्षेत्र में आने वाले क्षैत्र में ड्राय-डे घोषित किया गया है। म.प्र.आबकारी अधिनियम-1915 की धारा-24(1) में प्रदत्तक शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजस्थारन राज्यक विधानसभा सामान्यन निर्वाचन-2023 के मतदान दिवस 25 नवम्ब र 2023 को दृष्टि रखते हुए, शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए प्रशासकीय एंव लोकहित में राजस्था3न राज्यद से लगते हुए, नीमच जिले के सीमावर्ती तीन किलोमीटर क्षेत्र में आने वाली नीमच जिले की सभी कंजोजिट मदिरा दुकाने 23 नवम्बरर 2023 को सांयकाल 6 बजे से 25 नवम्बेर 2023 को मतदान समाप्ति तक तथा मतगणना दिवस 3 दिसम्ब2र 2023 को सम्पूबर्ण दिवस बंद रखे जाने तथा मदिरा का क्रय,विक्रय पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है। उक्ते आदेश का कडाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

डिवाइडर से टकराई बाइक, पिता-पुत्र समेत तीन घायल

पिपलियामंडी, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बाइक सडक किनारे बने डिवाइडर से टकरा गई, इस पर सवार पिता-पुत्र समेत तीन घायल हो गए। जानकारी के अनुसार मल्हारगढ थानान्तर्गत लसुडिया कदमाला निवासी विनोद चौहान बाइक पर बेटे चिराग व भतीजे को बाइक पर गांव बरखेडादेव स्कूल से लेकर घर जा रहा था। शाम 4 बजे करीब बाइक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। जिससे तीनों घायल हो गए। जिन्हें मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया।

भागवत कथा श्रवण से मनुष्य जीवन सार्थक होता है-भागवतानन्दजी

पोथी यात्रा के साथ श्री रामानुज कोट खानपुरा में श्री भागवत कथा का शुभारंभ हुआ

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। खानपुरा क्षेत्र स्थित श्री रामानुज कोट मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। इसके पूर्व विश्व पति शिवालय गांधी चौराहा से एक शोभायात्रा भी निकाली गई जिसमें महिलाएं सर पर कलश धारण किए हुए चल रही थी।

शोभा यात्रा और कलश यात्रा विश्व पति शिवालय से आरंभ हुई जो नेहरू बस स्टैंड होते हुए कालिदास मार्ग सदर बाजार होती हुई श्री रामानुज कोट खानपुरा पहुंची। मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ हुआ। निग्रहाचार्य श्री भागवतानंद गुरुजी ने कथा का शुभारंभ करते हुए कहा कि शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित सर्वप्रथम भागवत कथा श्रवण कराई थी और अनेकों अनेक ऋषियों ने भी कथा सुनी थी और उसके बाद भागवत कथा से ही सार्वजनिक रूप से भागवत कथा

की परंपरा आरंभ हुई। आपने कहा कि भागवत कथा श्रवण कर मनुष्य जीवन को सार्थक किया जा सकता है। पोथी यात्रा के पश्चात कथा स्थल पर पोथी पूजन और व्यास सम्मान मुख्य यजमान गौतम गनेडीवाल, श्री कृष्णचंद्र चिचानी, महेंद्र दरक ,पं.अरुण शर्मा ,सुरेश भावसार ब्रजेश जोशी आदि ने किया। पूजा पद्धति पंडित सुदर्शन आचार्य और अन्य विद्वान आचार्यों द्वारा संपन्न कराई गई। प्रसादी का लाभ श्री रमेशचंद्र भेरूलाल लढा परिवार ने लिया। संचालन ब्रजेश जोशी ने किया आभार कृष्ण चंद्र चिचानी ने माना। मीडिया प्रभारी सुरेश भावसार ने बताया कि प्रतिदिन यहां दोपहर 12 से सायंकाल 4 बजे तक कथा प्रवचन होंगे पश्चात शाम 4 बजे से 5 बजे तक एक घंटे तक प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन होगा जिसमें श्रद्धालु प्रश्न पूछेंगे और व्यास पीठ से निग्रहचार्य भागवतानंद गुरुजी प्रश्नों का समाधान करेंगे।

ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार तप जप संगठन की मीटिंग सम्पन्न

कार्यकारिणी का विस्तार हुआ, बटस एक्ट 2019 कानून को लागू करने की मांग उठी

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। ठगी पीडित जमाकर्ता परिवार तप जप संगठन जिला मंदसौर के तत्वावधान में मंगलवार को बंजारी बालाजी परिसर में मीटिंग रखी गई। जिसमें बटस एक्ट 2019 कानून को लागू करने व मिशन भुगतान भारत यात्रा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश अध्यक्ष शरद कुमार बामनिया के आदेश अनुसार प्रदेश महासचिव रायसिंह डांगी के नेतृत्व में कार्यकारिणी का विस्तार किया गया व आगे की रणनीति पर विचार किया गया।

मीटिंग में मंदसौर जिलाध्यक्ष लक्ष्मण प्रजापत, उपाध्यक्ष बद्रीलाल परिहार, जिला संगठन मंत्री गोवर्धनलाल धनगर, जिला प्रभारी अशोक लोहार और जिला महामंत्री भारत विश्वकर्मा,

सीतामऊ तहसील अध्यक्ष देवीलाल धनखड, सीतामऊतहसील उपाध्यक्ष श्रवण सिंह भाटी, दलौदा तहसील अध्यक्ष ममता मंसूरी, तहसील उपाध्यक्ष नाथूलाल खारोल पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जगदीश आंजना महुआ को जिला संगठन मंत्री, सुशील गंधर्व चिरमोलीया को प्रधान महासचिव के पद पर नियुक्त किया गया। सीतामऊतहसील सचिव राजेश सोनी, नाहरगढ संगठन मंत्री दशरथ राठौड, नाहरगढ महामंत्री जनार्दन प्रजापत महुवा, तहसील प्रभारी श्याम पांडे खेताखेडा को पद पर नियुक्त किया गया। इस दौरान उपस्थित संगठन के सैकडों सदस्यों ने शासन व प्रशासन से मांग की कि मंदसौर तप जप संगठन विगत 6 महीने से कार्यरत है और शासन और प्रशासन इस पर संज्ञान ले और हमें हमारा भुगतान जल्द से जल्द निश्चित करें। बडस एक्ट 2019 अनियमित जमा पाबंदी अधिनियम को लागू करें। उनके तहत हमारा भुगतान जल्द से जल्द देवे। इस दौरान लोगों ने बड एक्ट 2019 कानून अधिनियम कानून के तहत मिशन भुगतान भारत यात्रा कार्यक्रम के तहत हमारा जमाधन शासन के द्वारा वापस पाने के लिए मांग की। मीटिंग का संचालन मंदसौर जिला महासचिव कृष्णपाल सिंह राठौड ने किया व मीटिंग का आभार दलौदा तहसील उपाध्यक्ष नाथूलाल खारोल ने माना।

कलेक्टर द्वारा जिले में धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नीमच श्री दिनेश जैन व्दारा जिले में आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के प्रावधानों के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया है। आगामी पर्व यथा ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि, क्रांतिकारी सूर्य टंट्याभील बलिदान दिवस, शौर्य दिवस, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस, गुरुघासीदास जयंती, क्रिसमस, मकर संक्राति एवं गणतंत्र दिवस इत्यादि त्यौहार के मद्देनजर जुलूस, चल समारोह के दौरान धार्मिक स्थलों पर अशोभनीय नारेबाजी करने पर प्रतिबंध रहेगा।

जिला दण्डाधिकारी व्दारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के तहत फेसबुक, व्हाट्सअप, ट्वीटर आदि सोशल मीडिया साइट्स पर की गई आपत्तिजनक पोस्ट

कलेक्टर ने किया मतगणना केंद्र एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण

नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत होने वाली मतगणना के लिए स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण कर, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने सीसीटीवी के माध्यम से स्ट्रांग रूम परिसर की जा रही निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था कार्य का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर तहसीलदार श्री प्रेमशंकर पटेल, श्री बी.एल.मकवाना एवं श्री संजय मालवीय अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सामग्री डालने पर एवं उस पर होने वाली कमेंटस, क्रास कमेंटस के कारण वैमनस्यता का संचार अत्याधिक होता है। कोई भी व्यक्ति बिना विचार किये एवं बिना किसी दायित्व के द्वेषपूर्ण एवं अश्लील शब्दों का प्रयोग कर आमजन की भावनाओं को आहत करता है, जिसका मूल कारण फेसबुक, व्हाट्सअप ट्विटर आदि सोशल मिडिया साईटस पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर प्रतिबंध रहेगा। विभिन्न मोबाईल कंपनियों, विक्रेताओं द्वारा बिना आवश्यक दस्तावेजों के सिम वितरित करने पर प्रतिबंध रहेगा। कोई भी मकान मालिक एवं व्यापारिक प्रतिष्ठान के मालिक, प्रबंधक अपने मकान अथवा संस्थान को उस समय तक किराए पर नहीं देंगे जबतक, कि किरायेदार का पूर्ण विवरण संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी को प्रस्तुत नहीं कर देते। जिले के समस्त होटलों लॉज धर्मशाला के मालिकों, प्रबंधकों तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान के मालिकों, प्रबंधकों द्वारा उनके द्वारा नियोजित कर्मचारीगण, नौकर चौकीदार सुरक्षागार्ड आदि के निवास, स्थापन, चाल-चलन आदि का विवरण अपने क्षेत्र के थाना प्रभारी को आवश्यक रूप से प्रस्तुत किया जायेगा तथा व्यापारिक प्रतिष्ठान व अन्य संस्थान के मालिक किसी भी व्यक्ति को अपने प्रतिष्ठान में काम पर रखने के पूर्व उसका सम्पूर्ण विवरण व आवश्यक जानकारी संबंधित क्षेत्र को थाना प्रभारी को देगें।

जिले के शासकीय अथवा निजी ठेके पर चल रहे निर्माण कार्य चाहे में किसी भी स्वरूप के हो ठेकेदार द्वारा नियोजित स्थायी अथवा अस्थायी कर्मचारियों को अस्थाई रूप से दैनिक मजदूरी पर बाहर से लाकर काम पर लगाये गये श्रमिकों मजदूरों की सम्पूर्ण जानकारी उनके स्थाई पत्ते सहित 7 दिवस में संबंधित थाना प्रभारी को प्रस्तुत की जायेगी। आगामी त्यौहारों एवं विभिन्न आयोजनों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर नियंत्रण के लिए सर्वोच्च न्यायालय के नियमों का पालन किया जाना आवश्यक होगा। आगामी त्यौहारी एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान कोई भी व्यक्ति आग्नेय शस्त्रों (फायर आर्म्स) जैसे बन्दूक पिस्तोल, रिवाल्वर, बल्लम, खंजर, शमसीर या अन्य किसी भी प्रकार के घातक हथियार जिससे जन साधारण को चोट पहुंच सकती है या जिसके प्रयोग से लोकहित को खतरा हो, सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं कर सकेगा। चाहे वह व्यक्ति लायसेंसधारी ही क्यों न हो। आगामी त्यौहारों के दौरान धार्मिक आयोजन, जुलुस, रैली आदि की अनुमति संबंधित अनुविभागीय दण्डधिकारी से लेना अनिवार्य होगा। उक्त आदेश 28 नवम्बर 2023 से 26 जनवरी 2024 तक प्रभावशाली रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में इस आदेश का उल्लंघन धारा-188 भारतीय दण्डविधान अंतर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आवेगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर

16 जिलों में बच्चों को पिलाई जायेगी पोलियो की खुराक

मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। अभियान की तैयारियों के सिलसिले में एनएचएम मुख्यालय में राज्य टास्क फोर्स की बैठक हुई। टास्क फोर्स की बैठक में महिला-बाल विकास, स्कूल शिक्षा, नगरीय प्रशासन, वन, पंचायत, आदिम जाति कल्याण, आयुष, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों और डब्ल्यू.एच.ओ., यूनिसेफ, यूएनडीपी और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डायरेक्टर एनएचएम (टीकाकरण) डॉ. संतोष शुक्ला ने टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को अभियान में दी गई जिम्मेदारियों से अवगत कराया। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अभियान के सफल संचालन के लिये सुझाव भी दिये। बैठक में बताया गया कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में

पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाडा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाडी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

आरोपी को थाना हाजरी का आदेश

नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला मजिस्ट्रेरट नीमच श्री दिनेश जैन व्दाशरा राज्यर सुरक्षा अधिनियम-1990 के तहत अनावेदक चुन्नु उर्फ जफर पिता कमालुद्दीन निवासी पीपलीपुरा, थाना सिंगोली को सदाचार बनाये रखने के लिए 3 माह तक सप्ता ह में एक दिन (थाना प्रभारी व्दारा निश्चित दिन) थाना हाजरी का आदेश जारी किया गया है।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक गुरु एक्सप्रेस

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28 -07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in